भारत का राजपत्र The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---लण्ड 3---उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 255]

नई विल्ली, मंगलवार, जुलाई 15, 1975/म्राषाढ 24, 1897

No. 255]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 15, 1975/ASADHA 24, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th July 1975

- **S.O.** 352(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (9) of section 5A of the Companies (Temporary Restrictions on Dividet ds) Act, 1974 (35 of 1974), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
 - Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Warrant Rules, 1975.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) 'Act' means the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Act, 1974 (35 of 1974);
 - (b) 'Warrant' means a warrant or a cheque authorisir g payment of dividend declared by the company in terms of the provisions of the Act;
 - (c) 'Form' means the form specified in the Schedule to these rules.

3. Form in which dividend warrant shall be issued.—Every company to which this Act applies and which declares, out of its profits for any financial year, dividend exceeding, in the aggregate, its distributable profits for that financial year, shall, on and from the 1st day of March, 1975, issue dividend warrants in respect of immediate dividend and deferred dividends in the form specified in the Schedule to these rules:

Provided that no company shall incur any liability for punishment for the issue, before the commencement of these rules, of any dividend warrant in a form other than the form specified in the Schedule to these rules.

THE SCHEDULE (See Rule 3)

(See Rule 3)
FORM OF THE WARRANT*
[Pursuant to sub-section (9) of section 5A of the Companies (Temporary Restrictions on Dividends) Act, 1974]
Name of the Company and address of its registered office
Dividend Warrant No Station
Ledger Folio Date
IMMEDIATE DIVIDEND
& Co,
To
(Name and address of the Bank at which payable.)
Pay(name of the shareholder) or order the sum of Rupcesonly.
Signature of the payecSignature of the person authorised by the Compary.
Name of the Company and address of its registered office
Dividend Warrant No Station
Ledger Folio Date
(First Instalment)
Payable on 5-7-76 or within three morths thereafter.
& Co.
To
(Name and address of the Bank at which payable.)
Pay(name of the shareholder) or order the sum of Rupeesonly.
Signature of the payee
Name of the Company and address of its registered office
Dividend Warrant No Station
Ledger Folio Date
DEFERRED DIVIDEND
(Second Instalment)
Payable on 5-7-77 or within three months thereafter.
& Co.
То
(Name and address of the Bank at which payable.)
Pay(name of the shareholder) or order the sum of Rupeesonly.
Signature of the payee
*The three parts of the Warrant should be printed on the same sheet of paper and separate by perforations.

[No. F. 18/15/75-CL.XIV]
A. CHOUDHURY, Jt. Secy.

विधि, त्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मंत्र। लय

(कम्पनी कार्यविभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1975

का॰ गा॰ 352 (श्र).--- केन्द्रीय सरकार, कम्पनी (लाभांशों पर अस्थायी निर्बन्धन) अधिनियम, 1974 (1974 का 35) की धारा 5क की उपधारा (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिन्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :---

- 1. संक्षिप्त नाम ग्रीर प्राश्म्भ.--(1) इन नियमों का नाम कम्पनी (लाभांगों पर अस्थायी निर्बन्धन) श्रिधपत्र नियम, 1975 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 2. परिभाषाएं.-इन नियमों में, जब तक सन्दर्भ से ग्रन्यया ग्रपेक्षित न हों:--
 - (क) 'म्रधिनियम' से कम्पनी (लाभांशों पर म्रस्थायी निर्वन्धन) मिधिनियम, 1974 (1974 का 35) म्रभिन्नेत हैं ;
 - (ख) 'ग्रधियव' से श्रभिन्नेत हैं, श्रधिनियम के उपबन्धों के श्रनुसार कम्पनी द्वारा घोषित लाभांशों का संदाय प्राधिकृत करने वाला श्रधियन या चैक;
 - (ग) 'प्ररूप' से अभि प्रेत है इन नियमों की अनुसूची में दिए गए प्ररूप।
- 3. प्ररूप जिल्में साभाक श्राविषत्र जारी किया जाएगा.—प्रत्येक कम्पनी, जिसे यह ग्राधिनियम लागू है ग्रांर जो किसी विसीय वर्ष के दौरान ग्रपने लाभों में से, उस विस्त वर्ष के लिए ग्रपने वितरणीय लाभों के योग से ग्राधिक लाभांश घोषित करती है। मार्च 1975 को ग्रीर उस दिन से तुरन्त दिए जाने वाले लाभांशों श्रीर ग्रास्थिगत लाभांशों की बाबत, इन नियमों की ग्रनुसूची में दिए गए प्ररूप में लाभांश ग्राधिपत्न जारी करेगी;

परन्तु, इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व, इन नियमों की धनुसूची में दिए गए प्ररूप से भिन्न किसी प्ररूप में कोई लामांश ग्रिधिपन्न जारी करने वाली किसी कम्पनी को ऐसा करने के लिए दण्डित नहीं किया जाएगा ।

भ नृ सू ची (नियम 3 देखिए) *स्रिधिपत्र का प्रक्रय

[कस्पनी (लाभांगों पर भस्थायो निर्बन्धन) भ्रधिनियम, 1974 की धारा 5क की उपधारा (9) के भ्रनुसरण में]
कम्पनी का नाम भौर उसके रजिस्ट्र कृत कार्यालय कापता
लाभाग श्रविपन्न सं ० स्थान
तात्कालिक लाभांच
भीर कस्पनी
सेवा में,
(उस बैंक का नाम श्रीर पता जहां संदाय किया जाता है) श्री (श्रंशधारियों के नाम) को या श्रादेशानुसार
प्राप्त कत्ता के हस्ताक्षर प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर
कम्पनी का नाम भीर उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता लाभांश भिधपन्न सं ० स्थान
द्यास्यगित लाभांश
(प्रथम किस्त) 5–7–76 को या उसके पश्चात् तीन मास के भोतर संदेय
भीर कस्पनी
सेवा में,
(उस बैंक का नाम ग्रीर पता जहां संदाय किया जाना है)
श्री (श्रंशधारी का नाम) को या श्रादेशानुसार ६० मात्र की राशि का संदाय करें।
प्राप्त कर्त्ता का हस्ताक्षर कम्पनी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर
कम्पनी का नाम ग्रौर उसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता
नाभांश ग्रधिपत्न सं ०. स्थान. स्थान. तारीख. तारीख.
ग्रमधिपत्न के तीनों भाग एक ही पृष्ठ पर मुद्रित किए जाने चाहिएं ग्रौर छिद्रण ढारा पृथक किए जाने चाहिएं।

मास्यगित लाभांश